Pol.Sc. Guest Lecture

दिनाँक 06 अक्टूबर 2016 को अग्रवाल महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा राजनीति शास्त्र फोरम के अन्तर्गत आरक्षण नीति का 1991 से स्नातक स्तर के विद्यर्थियों पर प्रभाव विषय पर अथिति व्याख्यान कराया गया । यह व्याख्यान महाविद्यालय प्राचार्य डॉo कृष्ण कान्त गुप्ता के निर्देशन व प्रेरणा से आयोजित किया गया । इस व्याख्यान के मुख्य वक़्ता डॉo सुबोध कुमार, सहायक प्रवक्ता अग्रवाल महाविद्यालय(दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा दिया गया । प्रवक्ता महोदय का स्वागत विभागाध्यक्षा श्रीमती रितु ने किया । डॉo सुबोध कुमार ने बताया कि भारत में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन के लिए आर्थिक ढांचे में परिवर्तन लाना होगा । सामाजिक न्याय तभी होगा जब कमजोर वर्गो को शक्तिशाली लोगो के बराबर आने का अधिकार मिलेगा । आरक्षण मिलने से न केवल पिछड़े व दलितों के सामाजिक व आर्थिक स्तर में बदलाव आया है, बल्कि उन्होंने अपनी जनसँख्या की ताकत को राजनितिक ताकत में बदला है तथा उनमें राजनितिक चेतना बढ़ी है । आरक्षण आने से सशक्त राष्ट्र के विकास में उनका योगदान बढ़ा है । लेकिन विभिन्न जातियों के बीच वैन्मस्य में भी वृद्धि है । आरक्षण का लाभ तभी होगा जब शिक्षा सभी के सर्वांगीण विकास के लिए हो ताकि एक सशक्त भेदभाव रहित, कुशल युवा आगे आ सकें और सशक्त भारत के निर्माण में सहयोग दें । विद्यार्थियों ने इससे सम्बंधित प्रश्न पूछें । इस अवसर पर राजनीति शास्त्र के विद्यार्थी तथा अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ सारिका कन्जालिया, हिंदी विभाग की प्रवक्ता श्रीमती किरण आनंद आदि उपस्थित थे । अंत में डॉ विनोद राठी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया ।